"नई सोच नई शुरूवात"

सफलता की प्रेरणा

तामिया विकासखण्ड के सुदूर गांवों मे से एक ग्राम श्रीझोंत जो राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा पोषित वाड़ी परियोजना के अर्न्तगत वर्ष 2012–13 मे जोड़ा गया। इस ग्राम मे नागेष्वरा चैरीटेबल ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने जनवरी 2012 मे बैठक कर वाड़ी परियोजना की शुरूवात की इस बैठक मे एक युवा उत्साही आदिवासी किसान रामकिशन बगदरिया पुत्र मोहनलाल ने परियोजना से जुड़ने मे सर्वप्रथम अपनी सहमति जताई। यह किसान विषेष पिछड़ी जनजाति (Primitive Tribal Group) भारिया से है।

NCT's team in Shri. Ram Kisan Bagdariya's Wadi during July 2013

संस्था द्वारा दिए गए सारे तकनीकी मार्गदर्शन को ध्यान से सुनना और उसे अपने खेत मे कियान्वित करना ही उसका लक्ष्य बन गया था। इस किसान के पास कुल 5 एकड़ भूमि है जिसमे से केवल 3 एकड़ भूमि पर फसल लेता था बची हुई भूमि मे से 1 एकड़ भूमि पर वाड़ी लगाई और सब्जी की फसल को भी प्रोत्साहित करते हुए इस 1 एकड़ भूमि मे शुरूवात की धीरे धीरे रामकिशन ने अपनी उबड़–खाबड़ अन–उपजाऊ जमीन को सुधारने का प्रयास किया। जैविक खेती के लिए गोबर खाद एंव वर्मी कम्पोस्ट बनाना प्रारंभ किया।

Shri. Ramkisan family with Shri. H M B Murthy, Secretary, NCT during his overnight stay with him on 20/10/2013

2012–13 मे रामकिशन की कुल आय 25000 प्रति वर्ष थी जिसमे कृषि से 15000/– एंव मजदूरी अन्य से 10000/– प्रति वर्ष। किन्तु वाड़ी परियोजना की सफलता का द्योतक बनते हुए रामकिशन ने केवल कृषि और उद्यानिकी से 32500/– रूपये प्राप्त किए साथ ही मजदूरी एंव अन्य से 10000/– रूपये प्राप्त करते हुए इस वर्ष 42500/– रूपये वार्षिक आय प्राप्त

किया।

वर्ष 2013–14 में म.प्र. क्षेत्रीय कार्यालय नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री राजेन्द्र सिंह जी ने ग्राम के भ्रमण के दौरान रामकिशन से भेंट की और उनके कार्यो की सराहना की।

वर्ष 2015–16 में दिनांक 24/02/15 को संस्था के कृषि तकनीकी केन्द्र नागपुर के उदघाटन समारोह के अवसर पर माननीय श्री हर्ष कुमार भनवाला चेयरमेन (नाबार्ड) द्वारा सत्कार किया गया। संस्था के केन्द्र में चल रही कृषि एंव उद्यानिकी आधारित गतिविधियों से प्रेरित होकर रामकिशन ने अपने ग्राम मे लौटकर तकनीकी को और अच्छे ढंग से अपनाया जिससे आज ग्राम एंव क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उद्यानिकी मे आगामी वर्ष से उत्पादन प्रांरभ होने की आशा है, इससे अनुमानित 20000/– रूपये की आमदनी बढ़ना सुनिश्चित है एंव धीरे धीरे पेड़ो की वृध्दि के अनुसार यह आमदनी और अधिक बढ़ेगी।

सफलता की और रामकिशन के बढ़ते कदम को जवाहरलाल नेहरू कृषि विष्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र छिन्दवाड़ा के मुख्य समन्वयक श्री सुरेंद्र पन्नासे जी ने स्वयं देखा है और सदैव तकनीकी मार्गदर्शन दिया है। रामकिशन बगदरिया क्षेत्र के किसानो को उद्यानिकी के विषय मे उत्साहपूर्वक समझाते है

कि आय को बढ़ाने के लिए 1 एकड़ जमीन पर फलदार पौधे अवश्य लगाने चाहिए, इसी जैविक पद्धति को अपनाते हुए रामकिशन ने जो सफलता पाई है उस कारण दिनांक 14/08/15 को जिला कलेक्टर श्री महेशचन्द चौधरी (IAS) द्वारा इन्हे सम्मानित किया गया इन्हें प्रशस्ति–पत्र एंव स्मृति चिन्ह भेट किया गया। यह अवसर उद्यानिकी विभाग एंव जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कृषि मेला था। इस अभिन्न क्षण के साक्षी बने छिन्दवाड़ा के विधायक श्री चौधरी चन्द्रभान सिंग एंव तामिया के विधायक श्री नत्थनसाह कवरेती एंव समस्त नगर निगम अधिकारीगण एंव जिले के अधिकारी।

''इस अवसर पर रामकिशन ने नाबार्ड द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की प्रंशसा करते हुए कहा कि ***"पेड़ हमारे समाज को अच्छी साफ हवा और परिवार को फल देते है। फलो से हमें आय प्राप्त होती है।"*** *किसान को अपनी आय बढ़ाने के लिए मेहनत के साथ नई तकनीक पर ध्यान देना होगा साथ ही शिक्षा भी आवश्यक है, जिससे हम तकनीक को पहचान सकते है। आने वाला युग तकनीकी का ही होगा यदि किसान अशिक्षित और तकनीक–विहीन रहेगा तो परिवार का भरण–पोषण भी कठिन होगा। इस कारण किसान का विकास तकनीकि से जुड़ा है। यह मेरा सम्मान हर उस किसान का सम्मान है जो जैविक कृषि और अच्छी सोच, नई तकनीकि को अपने क्षेत्र मे फैलाकर सभी को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है।''*

रामकिशन बगदरिया